Chapter- 14

हमारे प्रेरणा स्त्रोत

STUDY NOTES

- कर्नाटक पूरे भारतवर्ष में अपनी कला, संस्कृति और साहित्य के लिए प्रसिद्ध है।
- दक्षिण के कनकदास जी मीराबाई तथा सूरदास की तरह श्रीकृष्ण के भक्ति पद गाने के लिए प्रसिद्ध है।
- दक्षिण में उनकी गीतों तथा कीर्तनों की रचना खूब प्रसिद्ध है।
- कनकदास का जन्म घारवाड़ के पास बाड़ नामक ग्राम में हुआ। उनके पिता का नाम बीरप्पा गौड़ और माता का नाम बचम्मा था। उनके बचपन का नाम तिमप्पा था।
- जब एक बार तिमप्पा ज़मीन खोद रहे थे, तब़ उन्हें सोने का कुछ सिक्के मिले। उन सिक्कों से उन्होंने ग्राम बाड़ का उद्धार किया।
- बाद में उन सिक्कों की मदद से उन्होंने कागिनेल में 'आदिकेशव' मंदिर बनवाया। जिस कारण उनका नाम कनकनायक पड़ा।
- कनकनायक जी को श्रीकृष्ण के प्रति अपार श्रद्धा थी। उन्होंने अपनी कविताओं में श्रीकृष्ण के बालरूप का वर्णन किया है। उनकी कविताओं को 'कीर्तन' के नाम से जाना जाता है।
- उनके गुरू का नाम व्यासराय था। आगे चलकर कनकनायक का नाम कनकदास हुआ।
- उनकी प्रमुख रचनाएँ हैं- मोहन तरंगिणी, नल चरित, रामधान्य चरित, हरिभक्तिसागर आदि।
- उन्होंने करीब चार सौ से भी ज़्यादा कीर्तनों की रचनाएँ की।
- कनकदास जी कन्नड़ साहित्य के चमकते सितारे हैं।

सीख: जब भी हम कोई कार्य करें उसे पूरी भक्ति और श्रद्धा के साथ करना चाहिए।

नए शब्द और उनके अर्थ-

प्रसिद्ध - प्रख्यात

ग्राम - गाँव

जन्म - पैदा होना

अपार - अनंत, बेहद

श्रद्धा - आस्था

वर्णन - उल्लेख

प्रमुख - श्रेष्ठ

कृतियाँ - रचनाएँ

अभ्यास कार्य

मौखिक-

१. **श्रतलेख एवं उच्चारण-**

कर्नाटक संस्कृति साहित्य श्रीकृष्ण ग्राम मंदिर

२. **कम-से-कम शब्दों में उत्तर बताइए।**

क) कर्नाटक किसलिए प्रसिद्ध है?

उ: कर्नाटक अपनी कला, संस्कृति और साहित्य के लिए प्रसिद्ध है।

ख) कनकदास के बचपन का नाम क्या था?

उ: कनकदास के बचपन का नाम तिमप्पा था।

ग) उन्होंने अपनी कविताओं में किनका वर्णन किया?

उ: उन्होंने अपनी कविताओं में श्रीकृष्ण के बाल रूप का वर्णन किया।

लिखित-

३. **सही उत्तर चुनकर लिखिए।**

क) कनकनायक आगे चलकर **<u>कनकदास</u>** बने।

i) कनकनाम ii) कनकसंत

iii) कनक कवि iv) कनकदास

ख) कनकदास ने **बालकृष्ण** का वर्णन किया था।

i) राम ii) हनुमान

iii) लक्ष्मी iv) बालकृष्ण

ग) कनकदास **कर्नाटक** के संत कवियों में एक हैं।

i) तामिलनाडु ii) आंध्र

iii) कर्नाटक iv) महाराष्ट्र

घ) कनकदास जी ने करीब **चार सौ** से भी ज़्यादा कीर्तनों की रचना की है।

i) तीन सौ ii) चार सौ

iii) छः सौ iv) एक सौ

४. रिक्त स्थान भरिए।

क) कर्नाटक पूरे भारतवर्ष में अपनी **कला, संस्कृति** और **साहित्य** के लिए प्रसिद्ध है।

ख) कनकदास के गाए गीतों को **कीर्तन** कहा जाता है।

ग) कनकदास के गुरू का नाम **व्यासराय** था।

घ) कनकदास जी कन्नड़ साहित्य सागर के चमकतें **सितारे** हैं।

५. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

क) कनकदास का जन्म कहाँ हुआ था ?

उ: कनकदास का जन्म घारवाड़ के पास बाड़ नाम ग्राम में हुआ था।

ख) कनकदास के माता-पिता का नाम क्या था ?

उ: कनकदास के पिता का नाम बीरप्पा गौड़ा और माता का नाम बचम्मा था।

ग) ज़मीन खोदते समय कनकदास को क्या मिला ?

उ: ज़मीन खोदते समय कनकदास को सोने के कुछ सिक्के मिले।

घ) कनकदास ने किनका मंदिर बनवाया ?

उ: कनकदास ने 'आदिकेशव' का मंदिर बनवाया।

ङ) कनकदास के गुरू का नाम क्या था ?

उ: कनकदास के गुरू का नाम व्यासराय था।

भाषा-ज्ञान :

१. एकवचन - बहुवचन-

- शब्द के जिस रूप से एक ही वस्तु का बोध हो उसे 'एकवचन' कहते हैं।

  जैसे- लड़का, बच्चा, माला आदि

- शब्द के जिस रूप से अनेकता का बोध हो उसे 'बहुवचन' कहते हैं।

  जैसे- लड़के, बच्चे, मालाएँ आदि।

क) वचन परिवर्तन

एकवचन	**बहुवचन**
सोना	सोने
कला	कलाएँ
गाना	गाने
सिक्का	सिक्के
मंदिर	मंदिर
ज़मीन	ज़मीन
कविता	कविताएँ
कीर्तन	कीर्तन
कृति	कृतियाँ
रचना	रचनाएँ
सितारा	सितारे
किताब	किताबें

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

ख) पाठ में आए नाम वाले शब्द-

कर्नाटक	बीरप्पा गौड़ा	श्रीकृष्ण
मीराबाई	बचम्मा	व्यासराय
सूरदास	तिमप्पा	कनकदास
कनकदास	कागिनले	घारवाड़
आदिकेशव	बाड़	कनकनायक

२. पाठ में से चुनकर रेफ़ (ॅ) और पदेन (/) वाले शब्द लिखिए।

(ॅ) कर्नाटक भारतवर्ष कीर्तन वर्णन

(/) प्रसिद्ध ग्राम प्रमुख प्रति

◆◆◆

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow